दिसम्बर 2015

वर्ष 28 पंचम अंक

सामान्य ज्ञान दर्पण

इस अंक में...

9 बेर केर का संग

विशेष स्तम्भ

10 समसामयिक सामान्य ज्ञान
15 आर्थिक परिदृश्य
21 राष्ट्रीय परिदृश्य
24 अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य
31 क्रीड़ा जगत्
35 समसामयिक महत्वपूर्ण तथ्य
36 अनुप्रेरक युवा प्रतिभाएं
38 सारभूत तत्व कोष

लेख

41 समसामयिक लेख–शिक्षित बेरोजगारी की भयावह तस्वीर
43 पर्यावरण लेख–पर्यावरण सुरक्षा सम्बन्धी अधिनियम व कानून
45 ऐतिहासिक लेख–स्वाधीनता संग्राम में समाज सुधारकों की भूमिका
47 अन्तरिक्ष लेख–पी.एस.एल.वी. : अन्तरिक्ष में भारत का नया कीर्तिमान

हल प्रश्न-पत्र

48 आगामी आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित बैंक लिपिकीय संवर्ग सम्मिलित लिखित प्रारम्भिक परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
55 छत्तीसगढ़ राजस्व इंस्पेक्टर परीक्षा, 2015
66 आर.आर.सी. (इलाहाबाद) ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2014

एस.एस.सी. हायर सेकण्डरी लेवल (10+2) द्वितीय चरण परीक्षा, 2015

73 सामान्य बुद्धिमत्ता
74 परिमाणात्मक अभिरुचि
76 सामान्य जानकारी
78 English Language
79 राजस्थान लोक सेवा आयोग (अजमेर) द्वारा आयोजित नायब तहसीलदार परीक्षा, 2015
89 उत्तराखण्ड पुलिस सबइंस्पेक्टर परीक्षा, 2013
100 आर.आर.बी. (गोरखपुर) पुस्तकालय सूचना सहायक परीक्षा, 2015
106 उत्तर प्रदेश डाक विभाग पोस्टमैन/मेलगार्ड परीक्षा, 2015
113 मध्य प्रदेश भृत्य/चौकीदार/अन्य समकक्ष संवर्ग परीक्षा, 2015

सामान्य/विविध

119 वार्षिक रिपोर्ट–राई-सरसों क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के बढ़ते चरण : एक दृष्टि में
122 विविध तथ्य–(i) कम्प्यूटर : एक दृष्टि में
123 (ii) राजस्थान राज्य के प्रमुख विकास कार्यक्रम
125 (iii) विश्व हिन्दी सम्मेलन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तथ्य : एक दृष्टि में
127 क्या आप परिचित हैं ?
128 रोजगार समाचार

सामान्य ज्ञान दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. –सम्पादक

• **E-mail :** publisher@pdgroup.in • **Website :** www.pdgroup.in

बेर केर का संग

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

मुगल बादशाह अकबर के नवरत्नों में से एक अब्दुर्रहीम खानखाना (रहीम) का दोहा कई अर्थों में जीवन की वास्तविकता का वर्णन करता है—

कह रहीम कैसे निभे,
बेर केर का संग।
ये डोलत रस आपने,
उनके फाटत अंग।।

रहीम इस जगत् की विचित्रता का वर्णन करते हुए कहते हैं कि इस जगत् में बेर व केर का संग आपस में कैसे निभ सकता है. बेर की झाड़ में नुकीले काँटे होते हैं. जब भी वो हवा चलने से झूमता है तो पास में खड़े हुए केले के अंगों पर प्रहार होता है. केर (कदली वृक्ष) कोमल है, जबकि बेर सख्त. ऐसे में बेर के झूमने से केले के अंग फटते हैं, उसकी चमड़ी को खरोंच आती है. यहाँ एक का सुख किसी अन्य का दुःख बन जाता है, क्योंकि यह जगत् सापेक्ष है. यमण भगवान महावीर का कथन है कि—

'यहाँ सभी वस्तुएँ एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं. एक-दूसरे से प्रभावित भी होती है. कदाचित् आकर्षित होती है, कदाचित विकर्षित भी.' ये परस्पर प्रभाव कभी एक-दूसरे को भाता व सुख का अहसास कराता है, तो कभी-कभी असाता व दुःख का. जगत् का स्वभाव ही ऐसा है कि यहाँ एक का सुख किसी अन्य के लिए दुःखरूप बन जाता है.

प्रत्येक के भिन्न-भिन्न दुःख व सुख को जानो. महान् वैज्ञानिक आईन्सटाईन ने इसी तथ्य को समझकर सापेक्षता का सिद्धान्त प्रकट किया. Theory of Relativity का यही कहना है कि सब कुछ सापेक्ष है. सुख भी सापेक्ष है व दुःख भी. जो चीज़ सुखरूप प्रतीत होती है, वही मात्रा की वृद्धि कर दिए जाने पर दुःखरूप हो जाती है. काजू की बर्फी में मीठे की मात्रा बढ़ा दी जाए तो वही बर्फी कड़वी लगने लग जाती है. रहीम कह रहे हैं कि यहाँ बेर-केर का संग कैसे निभ सकता है. बेर में जब रस का संचार होता है, उसमें जब परिपक्वता आती है तब हवा के चलने के साथ-साथ उसकी झाड़ियाँ झूमती हैं, झूमने के कारण वे आस-पास की परिधि में टकराती हैं. अब केले ने भला बेर का क्या नुकसान किया?

केले ने उसे कोई कष्ट नहीं पहुँचाया तब भी बेर की झाड़ केले की कोमल देह को चीरती है. ठीक इसी तरह अनेक कोमल हृदय वाले लोग दुर्जनों के वचन-व्यवहार से पीड़ित देखे जाते हैं.